सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 294 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 2 दिसम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

लोग इसकी परवाह नहीं करते कि आप क्या कहते हैं, वे इसकी परवाह करते हैं कि आप क्या बनाते हैं।
–मार्क जुकरबर्ग

ऑस्ट्रेलिया पीएम एकादश पर भारी... 7 | केजरीवाल दिल्ली में सक्रिय, बनने... 3 | भाजपा की सोच विकास विरोधी... 2

अन्नदाताओं की आवाज से हिलेगी मोदी-योगी की कुर्सी!

लाखों की संख्या में किसानों का हल्लाबोल, सरकार को याद दिलाएंगे वादे

» संसद में विपक्ष ने भाजपा व पीएम पर किए प्रहार
» स्कूलों में छुट्टी, ट्रैफिक डायवर्जन, धारा 163 लागू
» नोएडा का महामाया चौराहा बना तहरीर चौक

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीजेपी सरकार के वादा खिलाफी, एमएसपी पर ढुलमुल रवैये किसानों के अधिग्रहण किए गए जमीनों के मुआवजे समेत अन्य कई मांगों को लेकर लाखों की संख्या में किसानों ने दिल्ली-यूपी बार्डर पर जाम लगा दिया है। किसानों की इतनी बड़ी भीड़ देखकर मोदी सरकार की पुलिस की हालत खराब हो गई है। उधर इसको लेकर विपक्ष ने एनडीए सरकार को घेरा है। कांग्रेस, सपा समेत कई दलों ने संसद में किसानों के मुद्दे का उठाने की कोशिश की। विपक्ष ने किसानों की मांग नहीं मानी गई तो एनडीए सरकार की ईंट से ईंट बजा दी जाएगी। किसानों ने पीएम मोदी व सीएम योगी को चेतावनी भी दी।

उधर सरकार ने कहा हम किसानों से बातचीत को तैयार हैं। दरअसल, संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़े किसानों ने आज दिल्ली कूच किया। किसान दिन में 12 बजे के आसपास अलग-अलग संगठनों के साथ महामाया फ्लाईओवर के पास जमा हुए। वहीं कुछ और किसान संगठन ग्रेटर नोएडा के परी चौक से ट्रैक्टर ट्राली के साथ कूच किए। आंदोलन को देखते हुए महामाया फ्लाईओवर के आसपास ट्रैफिक डायवर्जन कर दिया गया है। कई स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है और कई स्कूल ऑनलाइन कक्षाएं चला रहे हैं। बड़ी संख्या में पुलिस बल और पीएसी को तैनात किया गया है। दरअसल रविवार को तीनों प्राधिकरण, जिला प्रशासन और पुलिस कमिश्नर के साथ किसानों की तकरीबन 2 घंटे तक बैठक चली जो बेनतीजा निकली। मार्च में गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर सहित 20 जिलों के किसान हैं। 27 नवंबर को किसान ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी पर और 28 नवंबर से 1 दिसंबर तक यमुना अऑरिटी पर प्रदर्शन कर चुके हैं। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना अथॉरिटी एरिया के करीब एक लाख किसान सड़कों पर उतरे।

सरकार किसानों से बात करने को तैयार : चिराग पासवान

किसानों के दिल्ली चलो मार्च पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा, सरकार किसानों की बात सुनने और उनसे बात करने के लिए तैयार है. पिछली बार भी सरकार ने बिना किसी शर्त के उन कानूनों को वापस ले लिया था जिन पर उन्हें आपत्ति थी। इससे सरकार की मंशा का पता चलता है कि केंद्र में हमारी एनडीए पूरी तरह से किसानों की भावनाओं के साथ काम करने की कोशिश कर रही है. सरकार ने बातचीत का रास्ता खुला रखा है. मुझे लगता है कि पहले बातचीत होनी चाहिए।

किसानों ने अधिकारियों की अपील ठुकराई

अधिकारियों ने किसानों से अपील की थी कि वह दिल्ली कूच के कार्यक्रम को स्थगित कर दें, लेकिन किसान संगठनों ने उसे दरकिनार कर दिया। पूरे जिले में धारा 163 लागू कर दी गई है।

एमएसपी की गारंटी जैसी मांगों पर जोर

ये किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी जैसी मांगों पर जोर दे रहे हैं। वहीं किसानों की मांग में 10 फीसदी विकसित भूखंड और 64.7 फीसदी अतिरिक्त मुआवजा मिले। नए भूमि अधिग्रहण कानून के मुताबिक, एक जनवरी 2014 के बाद अधिग्रहित भूमि का मुआवजा दिया जाए। गौतमबुद्ध नगर में 10 वर्ष से सर्किल रेट भी नहीं बढ़ा है, उसे बढ़ाया जाए। जिले में नए भूमि अधिग्रहण कानून के लाभ लागू हों। नए भूमि अधिग्रहण कानून के सभी लाभ, हाई पावर कमेटी द्वारा किसानों के हक में भेजी गई सिफारिशें लागू की जाएं। भूमिधर, भूमिहीन किसानों के बच्चों को रोजगार और पुनर्विकास के लाभ मिलें।

दिल्ली के कई बॉर्डरों पर बैरिकेड

संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में हजारों किसान नोएडा से दिल्ली कूच करने पर अड़े हैं। किसानों के दिल्ली कूच आह्वान को देखते हुए पुलिस की ओर से जीरो प्वाइंट पर बैरिकेड लगाकर चेकिंग की जा रही है। इसके अलावा कासना, दादरी अन्य रूट से दिल्ली जाने वाले मार्ग पर बैरिकेड लगाकर चेकिंग की जा रही है। चेकिंग की वजह से कई चौराहों पर यातायात का दबाव है। कई किसान नेताओं को उनके घर में नजरबंद किया गया है। किसानों को दिल्ली जाने से रोकने के लिए चार हजार से ज्यादा पुलिस बल सड़कों पर है। एक दिन पहले ही तीनों प्राधिकरण और जिला प्रशासन के साथ किसानों की बैठक विफल रही।

स्कूलों में छुट्टी की गई

किसानों के इस आंदोलन को देखते हुए कई स्कूलों ने सोमवार को अपने स्कूलों में छुट्टी कर दी है और कई जगह पर ऑनलाइन कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। आंदोलन की वजह से जगह-जगह जाम लगने की आशंका को देखते हुए स्कूलों ने कदम उठाया है। वहीं दूसरी तरफ आम जनता को जाम की समस्या से बचने के लिए नोएडा पुलिस के ट्रैफिक विभाग ने डायवर्जन प्लान तैयार किया है। जरूरत के हिसाब से डायवर्जन प्रभावित किया गया है। चिल्ला बॉर्डर, डीएनडी, महामाया फ्लाईओवर के पास भी बड़ी संख्या में पुलिस और पीएसी को तैनात किया जाएगा। गौरतलब है कि 25 नवंबर से शुरू हुआ किसान आंदोलन अब अपने चरम पर पहुंच गया है।

भाजपा की सोच विकास विरोधी : अखिलेश यादव

बोले- प्रदेश को दंगों की आग में झोक रहे बीजेपी के नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा, मोदी व योगी सरकार पर अपना हमला और आक्रामक कर दिया है। पूर्व सीएम ने कहा कि कहा कि जिनकी (भाजपा) मंशा अमन-चैन बिगाड़ना है, उनका मकसद विकास नहीं हो सकता है। भाजपा की सोच विकास विरोधी है। भाजपा समाज को आपस में लड़ाकर सामाजिक सद्भाव को खराब कर रही है।

उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव में हार के बाद भाजपा प्रदेश को दंगों की आग में झोंक रही है। अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि देश और प्रदेश में दस वर्षों से सत्ता पर काबिज भाजपा ने जनता के हित में कोई काम नहीं किया। महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चरम पर है। प्रदेश में लूट चल रही है। जनता भाजपा के खिलाफ है। बढ़ते जनाक्रोश से घबराई भाजपा संविधान और लोकतंत्र विरोधी कार्य कर रही है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि गन्ना किसानों को सही कीमत नहीं मिल रही है। धान खरीद की व्यवस्था नहीं है। किसान, नौजवान, गरीब मध्यम वर्ग समस्याओं में उलझा है। भाजपा सरकार समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए हर दिन नए-नए साजिश और षड्यंत्र कर रही है।

सत्ता के शीर्ष पदों पर बैठे लोग अराजक तत्वों को बढ़ा रहे

उन्होंने कहा कि सत्ता के शीर्ष पदों पर बैठे लोग अराजक तत्वों को बढ़ावा दे रहे हैं। संविधान की शपथ लेने के बाद भी भेदभावपूर्ण ढंग से कार्य कर रहे हैं। अपनी कुर्सी को बचाने के लिए उत्तर प्रदेश और देश की जनता को धोखा दे रहे है। प्रदेश में विकास कार्य ठप हैं। नौजवानों को नौकरी, रोजगार नहीं मिल रहा है। महिलाएं सुरक्षित नहीं है। किसानों को खाद और बीज नहीं मिल रहा है।

कमियां सामने न आ जाएं इसलिए सरकार नहीं चलने दे रही सदन : अवधेश प्रसाद

फैजाबाद से सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि संभल हिंसा के कारण प्रदेश में शांति और सौहार्द का माहौल बिगड़ा है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने राहत दी है। उन्होंने कहा कि हम सभी लोग महंगाई और बेरोजगारी जैसे मामले संसद में उठाना चाहते थे लेकिन सरकार संसद नहीं चलने दे रही है जिससे कि इसकी कमियां सामने न आ जाएं। उन्होंने कहा कि युवा और किसान देश की रीढ़ होते हैं। युवा बेरोजगारी से परेशान है। महंगाई से जनता परेशान है। पीएम मोदी ने सरकार बनने पर महंगाई कम करने का वादा किया था पर जनता को कोई राहत नहीं मिली है।

पुराने नेताओं को फिर संगठन से जोड़ें कार्यकर्ता : मायावती

» 15 जनवरी से पार्टी का विस्तार करेगी बसपा

» यूपी : बसपा को आई पार्टी को छोड़ देने वाले पुराने नेताओं की याद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लगातार चुनावों में हार से परेशान बसपा प्रमुख एकबार फिर पूरी पार्टी को पटरी पर लाने की तैयारी कर रही हैं। इस सिलसिले में उन्होंने पार्टी के पदाधिकारियों के पेंच तो कसे ही साथ ही उन्हें नसीहत भी दी। यूपी की पूर्व सीएम ने अपने पुराने नेताओं से फिर से संपर्क करने को भी कहा।

पार्टी अध्यक्ष मायावती न यूपी और उत्तराखंड के पदाधिकारियों की बैठक में 15 जनवरी से पार्टी संगठन का विस्तार करने का निर्देश देने के साथ पुराने कर्मठ नेताओं को भी दोबारा जोड़ने को कहा है। बसपा सुप्रीमो के निर्देश के बाद ऐसे नेताओं के लिए पार्टी में वापसी का रास्ता खुल गया है। बसपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने इस बाबत कहा कि बसपा सुप्रीमो की चिंता वाजिब है। बीते करीब एक दशक में पार्टी छोड़कर जाने वाले नेताओं की लंबी फेहरिस्त है, जबकि अन्य दलों से बसपा में आने वाले नेताओं की संख्या न के बराबर है। उनका कहना है कि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद बसपा का विस्तार होने की संभावना थी, लेकिन बसपा सुप्रीमो ने सपा से गठबंधन तोड़ने का फैसला हड़बड़ी में ले लिया, जिससे पार्टी की इस मुहिम को नुकसान पहुंचा। वहीं इसका फायदा सपा को मिला और वह बसपा के कई बड़े नेताओं को अपने पाले में करने में कामयाब हो गई।

कई नेताओं ने दूसरे दलों को किया मजबूत

बसपा छोड़कर जाने वाले नेताओं ने दूसरे दलों को खूब मजबूत किया। इनमें ब्रजेश पाठक, लालजी वर्मा, रामअचल राजभर, नसीमुद्दीन सिद्दीकी, स्वामी प्रसाद मौर्य, बाबू सिंह कुशवाहा, नकुल दुबे, लालजी निर्मल, केके गौतम, इंद्रजीत सरोज, सुनील चित्तौड़, बृजलाल खाबरी, अफजाल अंसारी समेत सौ से अधिक बड़े नेता शामिल हैं। इनमें से कई राज्य सरकार व राजनीतिक दलों में अहम पदों पर हैं। सुनील चित्तौड़ जैसे कर्मठ नेता वर्तमान में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रदेश अध्यक्ष हैं, जो बसपा के लिए मुसीबत का सबब बनती जा रही है।

केंद्र सरकार हिमाचल के साथ कर रही भेदभाव : सीएम सुक्खू

» मुख्यमंत्री बोले- छोटा राज्य होने का नुकसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुक्खू ने केंद्र सरकार पर भेदभाव करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार हिमाचल प्रदेश सरकार के साथ भेदभाव कर रही है। जहां-जहां गैर भाजपा की सरकारें हैं, वहां उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में जब आपदा आई, तो राज्य सरकार ने नियमों के मुताबिक पीडीएनए का 10 हजार करोड़ रुपए मांगा। इसके साथ ही लंबे वक्त से एनपीए का नौ हजार करोड़ रुपए भी मांगा जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह हिमाचल प्रदेश का हक है, जो हिमाचल को नहीं मिल रहा है। आने वाले समय में केंद्रीय मंत्रियों से मिलूंगा और कहूंगा कि हिमाचल छोटा राज्य है तो इसका भी ध्यान रखिए।

उन्होंने कहा कि 20 दिसंबर को जैसलमेर में पूरे देश के वित्त मंत्रियों की एक बैठक होने वाली है। जिसमें हिमाचल के वित्त मंत्री के तौर पर हिस्सा ले रहा हूं। वह प्रदेश के हितों की पैरवी कर रहे हैं और हिमाचल प्रदेश के अधिकारों को लेकर रहेंगे।

भारत-बांग्लादेश में भाईचारे पर संकट: मुफ्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने जम्मू और कश्मीर में बढ़ती असुरक्षा और बेरोजगारी पर चिंता जताते हुए कहा कि आज के युवाओं को रोजगार की बात की जाती है, लेकिन उन्हें नौकरी नहीं मिलती। महबूबा मुफ्ती ने स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और सड़कों की हालत पर भी सवाल उठाए और आरोप लगाया कि सरकार इन महत्वपूर्ण मुद्दों को सुधारने के बजाय मस्जिदों को तोड़ने की कोशिश कर रही है, ताकि वहां मंदिर बनाया जा सके।

उन्होंने हाल ही में सम्भल में हुए घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि कुछ लोग दुकानों पर काम कर रहे थे और उन्हें गोली मार दी गई। महबूबा ने अजमेर शरीफ दरगाह का उदाहरण देते हुए कहा कि यह भाईचारे का सबसे बड़ा प्रतीक है, जहां सभी धर्मों के लोग एक साथ प्रार्थना करते हैं, लेकिन अब इसे भी खंगालने की कोशिश की जा रही है, ताकि वहां भी मंदिर की खोज की जा सके। महबूबा ने चुनाव परिणामों पर भी संदेह व्यक्त किया और कहा कि वोटिंग प्रतिशत और चुनाव परिणामों में अंतर है।

» 1947 जैसी स्थिति की ओर बढ़ रहा देश

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए एक राज्य को छोड़ दिया गया था। महबूबा ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों की ओर इशारा करते हुए सवाल किया कि यदि भारत में भी अल्पसंख्यकों पर अत्याचार किए जाएंगे तो भारत और बांग्लादेश में क्या फर्क रहेगा। मुझे भारत और बांग्लादेश में कोई फर्क नहीं दिखता।

सीएम उमर के बेटों का भाजपा पर हमला- भर्ती घोटालों और बेरोजगारी से युवा आहत

यूथ नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के बेटे जमीर और जहीर अब्दुल्ला ने भी जम्मू में अपनी राजनीतिक सक्रियता बढ़ा दी है। वे दोनों भाई शेर-ए-कश्मीर भवन में वाईएनसी पदाधिकारियों की बैठक में मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने युवाओं के सामने बढ़ती चुनौतियों के लिए भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भर्ती घोटालों और बेरोजगारी से युवा आहत हैं। दोनों युवा नेताओं ने कहा कि युवाओं के सामने आ रही चुनौतियों के समाधान के लिए नेकां सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री के दोनों बेटे विधानसभा चुनाव में नामांकन के दौरान मौजूद रहे थे। शेर-ए-कश्मीर भवन में वे दूसरी बार आए हैं। जम्मू संभाग में उन्होंने पहली बार सार्वजनिक बैठक में हिस्सा लिया और भाजपा पर निशाना साधा है।युवा नेताओं ने कहा कि भाजपा द्वारा अपनाई गई नीतियों के कारण जम्मू-कश्मीर के युवाओं के सामने चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं।

अपने ही सीएम पर जदयू विधायक ने दागा सवाल

» बोले- हम जरासंध हैं कितना अलग करोगे फिर जुट ही जाएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जदयू विधायक गोपाल मंडल ने एक बार फिर अपने बड़बोलेपन से सुर्खियां बटोरी हैं। बेतिया के नवगछिया में आयोजित जदयू कार्यकर्ता सम्मेलन में उन्होंने अपने ही पार्टी के सांसद अजय मंडल और नवगछिया के एसपी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की।

गोपाल मंडल ने इस दौरान पार्टी में दरार डालने का आरोप लगाते हुए सांसद अजय मंडल पर निशाना साधा। साथ ही नवगछिया एसपी पर गंभीर आरोप लगाए। गोपाल मंडल ने नवगछिया के एसपी पूरण झा पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि एसपी का धंधा बाजार में दबंगों के साथ मिलकर शराब पीने का है। उन्होंने यहां तक कहा कि एसपी अपने आवास पर दबंगों को शराब पिलाते हैं, यह खुलेआम बोलने की धमकी भी दी। गोपाल मंडल ने आरोप लगाया कि एसपी के नेतृत्व में पुलिस महकमे ने दलित महिला के साथ हुए बलात्कार के मामले को दबा दिया। उन्होंने कहा कि जब तक ऊपर के अधिकारियों, विशेषकर डीजीपी का ध्यान इस ओर नहीं जाएगा, तब तक यहां कुछ नहीं सुधरेगा।

गोपाल मंडल ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि जब वे मुख्यमंत्री से समस्या उठाते हैं, तो मुख्यमंत्री उनके सवालों का जवाब देते हुए कहते हैं कि 'बढ़िया लड़का है'।

केजरीवाल दिल्ली में सक्रिय, बनने लगा सियासी माहौल!

विस चुनाव के लिए जन-जन तक पहुंचने लगे कार्यकर्ता

सबको पीछे छोड़ आप ने शुरू किया चुनावी अभियान

» भाजपा और कांग्रेस ने भी कमर कसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। वहां की सत्ता में बैठी आप सरकार ने बड़ी पार्टियों को पीछे छोड़ अपना चुनावी अभियान शुरू कर दिया है। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल अभी से जनता के बीच जा-जा कर अपनी सरकार की योजनाओं का बखान कर रहे हैं। इस बीच वह भाजपा की मोदी सरकार पर आक्रामक रूख भी अपनाएं हुए हैं। आप ने कांग्रेस व भाजपा को पीछे छोड़ते हुए अपनी रणनीति बनानी शुरू कर दी है।

उधर आप के सक्रिय होते ही भाजपा व कांग्रेस ने भी तैयारी शुरू कर दी है। भाजपा नेताओं ने भी दिल्ली की सीएम आतिशी व संयोजक पर हमला शुरू कर दिया है। हालांकि इस बीच कांग्रेस ने आप को समय-समय घेरा है। कांग्रेस ने दिल्ली में अकेले लड़ने का मन भी बना लिया है। उधर संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान विपक्षी नेताओं में एकजुटता भी दिखाई दे रही है जो भाजपा को दर्द देने के लिए काफी है। इस महीने की शुरुआत में,आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों की तुलना महाभारत के समान धर्मयुद्ध से की थी। पूर्व सीएम ने जिला स्तर पर एक संबोधन में कहा, दिल्ली विधानसभा चुनाव एक धर्मयुद्ध की तरह है। उनके पास कौरवों की तरह अपार धन और शक्ति है, लेकिन भगवान और लोग पांडवों की तरह हमारे साथ हैं। इस बीच, दिल्ली बीजेपी ने गुरुवार को विधानसभा चुनाव से संबंधित कार्यों के लिए 43 समितियों की घोषणा की, जिनमें महिलाओं, युवाओं, एससी, ओबीसी और केंद्रीय योजना के लाभार्थियों से संपर्क के लिए अभियान शामिल हैं।

दिल्ली में अकेले ही ताल ठोंकेगी कांग्रेस

कांग्रेस पार्टी ने आम आदमी पार्टी (आप) के साथ किसी भी गठबंधन से इनकार करते हुए आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने के अपने फैसले की घोषणा की। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि पार्टी आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में सभी 70 सीटों पर अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने साफ किया कि चुनाव में किसी भी पार्टी से गठबंधन नहीं होगा। यादव ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के बारे में फैसला चुनाव के बाद कांग्रेस विधायक दल द्वारा किया जाएगा।

प्रियंका गांधी ने विपक्षी सदस्यों के साथ दिखाई एकजुटता

लोकसभा की सदस्यता की शपथ लेने के एक दिन बाद शुक्रवार को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा सदन पहुंची और विपक्षी सदस्यों के साथ एकजुटता दिखाते हुए उनके साथ प्रदर्शन में शामिल हुईं। केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी ने सदन में तब प्रवेश किया जब कांग्रेस और समाजवादी पार्टी सहित कई विपक्षी सदस्य संभल हिंसा और अन्य मुद्दों को लेकर नारेबाजी कर रहे थे। प्रियंका गांधी उनके साथ एकजुटता दिखाते हुए अपनी सीट के पास खड़ी रहीं। विरोध के बीच उन्होंने विपक्षी दलों के सांसदों से मुलाकात भी की और उनका अभिवादन किया। जैसे ही वह अन्य सदस्यों से मिलने के लिए विपक्षी खेमे की अग्रिम पंक्ति के करीब गईं, द्रमुक सांसद कनिमोई को उन्हें अपने साथ बैठने का इशारा करते देखा गया। प्रियंका

सदन में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को भी तृणमूल कांग्रेस और अन्य दलों के सदस्यों के साथ बातचीत करते देखा गया।

भाजपा ने दिल्ली में फैलाई अराजकता : केजरीवाल

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार, गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा को घेरते हुए आरोप लगाया कि मौजूदा दौर में दिल्ली गैंगस्टर कैपिटल बन गई है। अपराध पर भाजपा की जीरो टॉलरेंस नीति ढकोसला है। दिल्ली की जनता अब भाजपा को सबक सिखाने के लिए तैयार है। केजरीवाल ने गृहमंत्री से सवाल किया कि क्या आप गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की मदद कर रहे हैं। वह साबरमती जेल से दिल्ली और दुनियाभर में गतिविधियां कैसे चला रहा है। दिल्ली में बढ़ते अपराध के लिए भाजपा और गृहमंत्री जिम्मेदार हैं, क्योंकि राजधानी की कानून-व्यवस्था केंद्र सरकार के अंतर्गत आती है। वहीं पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भी कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा ने दिल्ली को शूटआउट कैपिटल बना दिया है। पहले दूर से सुनते थे, शूटआउट एट लोहखंडवाला, अभी तो रोज अपनी दिल्ली में सुनने को मिल रहा है। शूटआउट एट कबीर नगर, शूटआउट एट पश्चिम विहार, शूटआउट एट नारायणा, सोनिया विहार, होटल हर जगह हर गली में गैंगेस्टरों का खुला आतंक है।

दिल्ली नर्क बना दी: स्वाति मालीवाल

आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने एक बार फिर अपनी ही पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने कालकाजी विधानसभा का दौरा किया। दौरे के बाद स्वाति ने सीएम आतिशी पर निशाना साधा है। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने कहा कि आज दिल्ली की हालत बहुत बदहाल हो चुके हैं। आप किसी अमीर कॉलोनी में चले जाइए या किसी गरीब बस्ती में, हर जगह सड़कें टूटी पड़ी हैं, कूड़े के बड़े-बड़े पहाड़ इकट्ठा हो गए हैं। मैं कालकाजी विधानसभा गई, जो मुख्यमंत्री का अपना विधानसभा क्षेत्र है। वहां हालात इतने खराब हैं कि सारी सड़कें टूटी पड़ी हैं। आगे

कहा कि हर दिन कई बुजुर्ग और बच्चे गिर रहे हैं। वहां की हालत इतनी खराब है कि अगर कोई महिला गर्भवती हो या किसी को मेडिकल इमरजेंसी हो जाए तो एंबुलेंस तक अंदर नहीं आ रही। मैं पिछले 20 सालों से दिल्ली में जमीन पर काम कर रही हूं, मैंने आज तक ऐसे हालात नहीं देखे कि मुख्यमंत्री जो कि बहुत लंबे समय तक पीडब्ल्यूडी मंत्री रही हैं, उनके अपने विधानसभा क्षेत्र का इतना बुरा हाल है। स्वाति ने आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें अपने विधानसभा के लोगों से जाकर मिलना चाहिए और उनका दर्द समझना चाहिए और उन्हें राहत पहुंचानी चाहिए। अगर वे अपने विधानसभा क्षेत्र की स्थिति नहीं सुधार सकती तो ये बाकी दिल्ली को कैसे ठीक करेंगी।

भाजपा का आप पर प्रहार

आम आदमी पार्टी के लगाए गए आरोपों पर भाजपा नेता गौरव भाटिया ने कहा कि आप गुंडों की पार्टी बन गई है। गुंडे आप के सबसे बड़े समर्थक हैं। वे खुलेआम वसूली करते हैं और आप विधायक के निर्देश पर आम आदमी को धमकाकर वसूली की जाती है। आगे कहा कि अरविंद केजरीवाल की सहमति से आप विधायक आम आदमी को धमकाकर वसूली का धंधा चला रहे हैं। आप के रंगदारीखोर विधायक नरेश बाल्यान की एक ऑडियो क्लिप में वह एक बिल्डर से पैसे वसूलने के लिए एक गैंगस्टर से बात कर रहे हैं। जनता ने आपको (आप) शराब घोटाला और रंगदारी का धंधा करने के लिए नहीं चुना है।

भाजपा ने गठित की समितियां

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के निर्देशानुसार समिति के सदस्यों के नामों की घोषणा की गई। समितियों का गठन विभिन्न चुनाव-संबंधी कार्यों के लिए किया गया था, जिनमें नामांकन, मीडिया संबंध, अभियान कथा का सुझाव देना, सोशल मीडिया, दस्तावेज़ीकरण, डेटा प्रबंधन, विशेष संपर्क और लॉजिस्टिक्स आदि शामिल थे। दिल्ली के सभी 70 निर्वाचन क्षेत्रों के विधान सभा चुनाव फरवरी 2025 को या उससे पहले होने वाले हैं। पिछला विधानसभा चुनाव फरवरी 2020 में हुआ था। चुनाव के बाद आम आदमी पार्टी ने राज्य में सरकार बनाई और अरविंद केजरीवाल तीसरी बार मुख्यमंत्री बने। 7वीं दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल 15 फरवरी 2025 को समाप्त होने वाला है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

ईवीएम की शंका को दूर करे चुनाव आयोग!

दरअसल, उन्हें तो सियासत का चाणक्य भी कहा जाता रहा है। पवार की तरह कांग्रेस ने भी ईवीएम व चुनाव आयोग पर सवालिया निशान लगाया है। उसने तो देशव्यापी आंदोलन तक की बात कह दी है। हालांकि ईवीएम मुद्दा सुप्रीम कोर्ट भी पहुंचा जहां उसे खारिज कर दिया गया था। उसके बाद एकबार फिर यह मुद्दा उठ रहा है।

एकबार फिर ईवीएम पर सवाल उठने लगा है। हालांकि चुनाव आयोग ने सारे आरोपों को खारिज कर दिया है। फिर भी भारतीय निर्वाचन आयोग को एकबार पूरी गंभीरता से विपक्षी पार्टियों की मांग पर विचार करना चाहिए। दरअसल, महाराष्ट्र असेंबली के नजीते चौंकानेवाले आए, जिन दलों के जीतने के कयास ज्यादा थे, वो पिछड़ गए और जिन्हें कमतर आंक रहे थे, उन्होंने मैदान मार लिया। पिछड़ने वालों में शरद पवार की पार्टी एनसीपीभी है, जो दहाई के आंकड़े को भी पार नहीं कर पाई। इसलिए ये नतीजे उनके लिए तो सबसे ज्यादा अचंभित करने वाले हैं। दरअसल, उन्हें तो सियासत का चाणक्य भी कहा जाता रहा है। पवार की तरह कांग्रेस ने भी ईवीएम व चुनाव आयोग पर सवालिया निशान लगाया है। उसने तो देशव्यापी आंदोलन तक की बात कह दी है।

हालांकि ईवीएम मुद्दा सुप्रीम कोर्ट भी पहुंचा जहां उसे खारिज कर दिया गया था। उसके बाद एकबार फिर यह मुद्दा उठ रहा है। शक करने का सबसे बड़ा कारण यह है कि अभी जून में आए लोकसभा चुनाव परिणाम में महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन ने एनडीए को पीछे छोड़ते हुए अच्छी खासी सीटें हासिल की हैं। कई सर्वे व लोगों के बीच में जो बाते सामने आ रही थी उसमें महाविकास अघाड़ी को बढ़त मिल रही थी। पर छह महीने में ऐसा क्या हो गया कि जनता महायुति की ओर मुड़ गई। क्या विपक्षी खेमें में हीं कोई कमी रह गई या सरकारी स्तर पर गड़बड़ी की संभावनाएं हैं। पार्टियों ने कहा है कि वह आने वाले दिनों में तथ्य सहित ऐसे तमाम सबूत देश-प्रदेश की जनता के सामने रखेंगे और सत्तारुढ़ दल को एक्सपोज करेंगे। उधर राकांपा शरद गुट प्रमुख शरद पवार ने राज्य चुनावों में सत्ता और धन के दुरुपयोग का आरोप लगाया, यह दावा करते हुए कि यह पहली बार था कि राज्य और राष्ट्रीय दोनों चुनावों में इतने बड़े पैमाने पर इस तरह की रणनीति का इस्तेमाल किया गया था। पवार ने यह टिप्पणी वरिष्ठ कार्यकर्ता डॉ. बाबा आधव से मुलाकात के दौरान की, जो 20 नवंबर को हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कथित इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के दुरुपयोग के खिलाफ मुंबई में तीन दिवसीय विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे हैं। पवार ने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है, देश में हुए चुनावों ने लोगों को काफी बेचैन कर दिया है, लोगों में निराशा है। उन्होंने आगे कहा कि वे अपनी बात रखते हैं लेकिन संसद में उनकी मांगें नहीं मानी जा रही हैं और इसका साफ मतलब है कि संसदीय लोकतंत्र का पालन ठीक से नहीं हो रहा है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो यह ठीक नहीं है और इसके लिए हमें लोगों के बीच जाकर उन्हें जागरूक करना होगा। इस बीच चुनाव आयोग ने कहा है सभी पार्टियों को एकबार फिर हम बिठाकर सारी बातों को रखेंगे। कुल मिलकर चुनाव आयोग को सारे आशंकाओं को खत्म करने की कोशिश करनी चाहिए क्योंकि लोकतंत्र में शंका का कोई स्थान नहीं है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

व्यवस्था में पारदर्शिता से दूर होगा कुपोषण

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में इंडियन कौंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकॉनामिक रिलेशंस द्वारा किए गए एक नए अध्ययन में पाया गया है कि देश पीडीएस के तहत भारतीय खाद्य निगम और राज्य सरकारों द्वारा आपूर्ति किए गए अनाज का 28 फीसदी इच्छित लाभार्थियों तक नहीं पहुंच पाता है। यानी सालाना करीब दो करोड़ टन अनाज का लीकेज होता है। अर्थव्यवस्था को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ती है। इस वजह से सालाना करीब 69 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का आर्थिक नुकसान होता है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए केंद्र सरकार का खाद्य सब्सिडी बिल 2.05 लाख करोड़ रुपये का है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2016 से राशन की दुकानों में पाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनों की शुरुआत से लीकेज में कमी आई है। वर्ष 2011-12 की खपत संख्या के आधार पर शांता कुमार समिति ने कहा था कि पीडीएस व्यवस्था में करीब 46 फीसदी लीकेज है।

यद्यपि इस समय इस लीकेज में कमी आई है, लेकिन यह अभी भी काफी अधिक है। ऐसे में जरूरी है कि पीडीएस के लिए बेहतर निगरानी और संरचनात्मक सुधारों की डगर पर तेजी से आगे बढ़ा जाए। देश में गरीबों पर केंद्रित लक्षित पीडीएस की शुरुआत जून, 1997 में हुई है। इस समय दुनिया में भारत सबसे बड़ी सार्वजनिक राशन वितरण प्रणाली के लिए जाना जाता है। देश भर में मौजूदा पांच लाख से अधिक उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से नि:शुल्क खाद्यान्न वितरण किया जाता है। खासतौर से सितंबर, 2013 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के पारित होने के साथ ही पीडीएस व्यवस्था में बड़ा सुधार हुआ है। यह अधिनियम देश की 67 फीसदी आबादी को अपने दायरे में लेता है। सरकार के द्वारा कोविड-19 महामारी के दौरान वंचित वर्गों के पात्र लोगों के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत अतिरिक्त अनाज दिया जाने लगा है और तब से लगातार अब तक केंद्र सरकार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत देश के 81.35 करोड़ लोगों को नि:शुल्क खाद्यान्न मुहैया करा रही है। सरकार ने वर्ष 2028 तक इस योजना का लाभ सुनिश्चित किया है।

देश में कमजोर वर्ग के लोगों को व्यवस्थित रूप से नि:शुल्क खाद्यान्न वितरित किए जाने में पीडीएस की अहम भूमिका है। इससे गरीबी में कमी आ

रही है। कई प्रमुख वैश्विक संगठनों के द्वारा उनकी रिपोर्टों में भारत में बहुआयामी गरीबी घटाने में 81 करोड़ से अधिक लोगों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त खाद्यान्न दिए जाने और उससे गरीब वर्ग की उत्पादकता बढ़ने के निष्कर्ष भी दिए गए हैं। अमेरिकी के प्रसिद्ध थिंक टैंक द ब्रुकिंग्स इंस्टिट्यूशन की रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां वर्ष 2011-12 में भारत की 12.2 फीसदी आबादी अत्यधिक गरीब थी, वहीं यह वर्ष 2022-23 में घटकर महज दो फीसदी ही रह गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गरीबों की उत्पादकता वृद्धि, तेज विकास और असमानता में कमी के चलते भारत को यह कामयाबी मिली है। लेकिन अभी भी कमजोर वर्ग तक नि:शुल्क गेहूं और चावल के अलावा पोषण युक्त श्रीअन्न यानी मिलेट्स की उपयुक्त आपूर्ति न होने से करोड़ों लोग पोषण सुरक्षा के मद्देनजर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। हाल ही में प्रकाशित ग्लोबल हंगर इंडेक्स (जीएचआई) 2024 में भारत 127 देशों में 105वें नंबर पर है। लेकिन भारत के लिए अभी भी हंगर इंडेक्स का स्कोर 27.3 है जो गंभीर बना हुआ है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा जारी रिपोर्ट में भी कहा गया है कि भारत में करीब 74 फीसदी लोगों को पोषण युक्त आहार नहीं मिल पाता है। निश्चित रूप से देश के 81 करोड़ से अधिक लोगों तक नि:शुल्क खाद्यान्न वितरण, इच्छित लाभार्थियों तक इसकी उपयुक्त पहुंच और पोषण युक्त खाद्यान्न की आपूर्ति सुनिश्चित करने के मद्देनजर देश की पीडीएस व्यवस्था पर नए सिरे से विचार करना होगा। मौजूदा पीडीएस व्यवस्था को इस तरह सुधारना होगा, जिससे सरकार गरीबों के कल्याण और गरीबी निवारण लक्ष्य को पाने के लिए आगे बढ़ सके और वास्तविक लाभार्थी इसके लाभों को प्राप्त कर सके।

पीडीएस के तहत प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण में ऐसे परिवर्तन की संभावना तलाशना जरूरी है, जिससे इस व्यवस्था की पारदर्शिता बढ़ाई जा सके और अकुशलता में भी कमी की जा सके। केंद्रीय खाद्य मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक राशन कार्ड के डिजिटलीकरण के चलते देश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को अधिक कारगर बनाने के लिए आधार एवं ईकेवाईसी प्रणाली के माध्यम से सत्यापन कराने के बाद अब तक फर्जी पाए गए 5 करोड़ 80 लाख से अधिक राशन कार्ड रद्द कर दिए गए हैं।

जलवायु संरक्षण की आधी-अधूरी कोशिशें

दिनेश सी. शर्मा

बाकू में संपन्न जलवायु वार्ता का नवीनतम दौर (कॉप-29) एक विवादित समझौते के साथ समाप्त हुआ। उम्मीद थी कि इसमें मुख्य विषय जलवायु सुधार के वास्ते वित्तीय प्रबंधन पर केंद्रित रहेगा। यह संदर्भ स्थानीय, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय वित्तपोषण को लेकर है ताकि जलवायु परिवर्तनों पर लगाम लग पाए और सुधार कार्य अपनाए जाएं। दशकों से, विकासशील देश जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना करने में प्रभावी उपाय करने के वास्ते अतिरिक्त धन की मांग करते आए हैं। विकासशील देश चाहते हैं कि अमीर देश अधिक जिम्मेदारी उठाएं क्योंकि वर्तमान संकट के लिए मुख्य रूप से जिम्मेवार वही हैं। औद्योगिक क्रांति के बाद से उत्तरी गोलार्ध के देशों से हुआ ऐतिहासिक उत्सर्जन ही जलवायु संकट का कारण बना है। जलवायु परिवर्तन सुधार फंड की मात्रा और इसका स्रोत लंबे समय से विकसित और विकासशील देशों के बीच विवाद का विषय रहा है।

इस पृष्ठभूमि के परिप्रेक्ष्य में, बाकू वार्ता में एक अच्छा समझौता बनने की आशा जगी थी। वार्ता के निष्कर्ष में, विकासशील देशों को हर साल जलवायु सुधार के लिए, 2035 तक, कम-से-कम 300 बिलियन डॉलर देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। यह धन विभिन्न स्रोतों से आएगा- इसमें सार्वजनिक, निजी, द्विपक्षीय, बहुपक्षीय और वैकल्पिक स्रोत भी शामिल हैं। इस वित्तपोषण को उपलब्ध कराने में विकसित देश अग्रणी भूमिका निभाएंगे और विकासशील देशों को स्वेच्छा से योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। किंतु बाकू में निर्धारित वित्त लक्ष्य विकासशील देशों द्वारा मांगे गए धन और समय-सीमा से बहुत कम है- 2025 से विकसित देशों द्वारा हर साल इस मद में 1.3 ट्रिलियन डॉलर जुटाए जाने हैं। किंतु, न केवल यह आंकड़ा मांगी गई मात्रा से बहुत कम है बल्कि समय-सीमा भी बहुत दूर है।

अब यह पैंतरा उत्तरी गोलार्ध मुल्कों की एक जानी-पहचानी रणनीति बन चुकी है कि किसी भी तत्काल प्रतिबद्धता से बचने के लिए एक कमजोर लक्ष्य और बहुत लंबी समय-सीमा तय कर देना। इसके अलावा, जिस वित्तपोषण का वादा किया गया है वह केवल अमीर मुल्कों से नहीं आएगा। विकासशील देशों को भी इसमें योगदान देना होगा। जाहिर है, इस प्रावधान ने विकासशील देशों को परेशान कर डाला है। वार्ता के अंत में, भारत, बोलीविया और नाइजीरिया ने इस लचर संधि पर अपनी चिंता व्यक्त की, जिसे आधिकारिक तौर पर 'जलवायु वित्त हेतु नवीन सामूहिक मात्रा निर्धारण लक्ष्य' का नाम दिया गया है। भारत ने कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (कॉप) के अध्यक्ष पर संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में निहित बहुपक्षीय वार्ता के मानदंडों का पालन किए बिना समझौते को आगे बढ़ाने का भी आरोप लगाया है। विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना करने के लिए वित्तपोषण और प्रौद्योगिकी की जरूरत है। इसके शमन के लिए धन की आवश्यकता है- उत्सर्जन को महत्वपूर्ण रूप से कम करने के लिए बड़े पैमाने पर निवेश की आवश्यकता पड़ेगी। यानी अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं, ऊर्जा दक्षता, जीवित प्राकृतिक संसाधन और भूमि उपयोग का प्रबंधन, थलीय और जलीय जैव विविधता की सुरक्षा, स्वच्छ परिवहन आदि का इंतजाम करने वास्ते धन उपलब्धता।

अतिरिक्त धन की दूसरी प्रमुख आवश्यकता अनुकूलन करने के वास्ते है- प्रतिकूल प्रभावों को अनुकूल बनाना और बदलती जलवायु के प्रभावों को कम करने के लिए आवश्यक संसाधन जुटाना। उदाहरण के लिए, इसमें शामिल हैं : तूफान और बाढ़ का सामना करने लायक बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए धन की जरूरत, वर्तमान बुनियादी ढांचा ऊपर उठते समुद्र तल से दूर स्थानांतरित करना, सूखे का सामना करने लायक फसलों के बीज विकसित करना और इनका वितरण। इसके अलावा, 'हानि एवं नुकसान' नामक तीसरी कार्रवाई के लिए धन की आवश्यकता है ताकि जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाली प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में देशों को हुए नुकसान की भरपाई हो सके। पिछले कुछ वर्षों में, जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के तहत जलवायु वित्त के लिए अनेकानेक तंत्र और कोष बनाए गए हैं। इनमें वैश्विक पर्यावरण सुविधा, हरित जलवायु कोष, विशेष जलवायु परिवर्तन कोष, अल्प विकसित देशों का कोष, अनुकूलन कोष आदि शामिल हैं। हालांकि, हकीकत यह है कि विकासशील देशों को उपलब्ध करवाई जाने वाली इन निधियों में धन की आमद बहुत कम रही है।

उदाहरणार्थ, ग्रीन क्लाइमेट फंड ने 2020-23 की अवधि के दौरान 129 विकासशील देशों में 243 परियोजनाओं के वास्ते कुल 13.5 बिलियन डॉलर देना मंजूर किया। अनुकूलन कोष ने 2010 से कई विकासशील देशों में 183 अनुकूलन परियोजनाओं के लिए 1.2 बिलियन डॉलर देने की प्रतिबद्धता जताई थी। वहीं अन्य तंत्रों से धन का प्रवाह और भी कम है। कुल मिलाकर, यूएनएफसीसीसी द्वारा प्रवर्तित निधियों और अन्य तंत्रों से उपलब्ध वित्त की मात्रा आवश्यकता से बहुत कम है। इसलिए, बाकू में मांग धन की मात्रा के साथ-साथ गुणवत्ता बढ़ाने की भी थी। लेकिन, धनी पश्चिमी देशों ने वित्तीय लक्ष्य को न्यूनतम रखने और समय सीमा यथासंभव लंबा खींचने के वास्ते हर संभव प्रयास किए। नए और अतिरिक्त वित्तपोषण के लिए प्रतिबद्धता बनाने की बजाय, मौजूदा विकास सहायता को जलवायु वित्तपोषण का ठप्पा लगाकर, नए रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया।

ड्राई फ्रूट्स से बने लड्डू इम्यूनिटी बढ़ाने के साथ सर्दी भी भगाएंगे

सर्दियों के मौसम में बीमारियों का खतरा काफी ज्यादा रहता है। इस मौसम में हाई बीपी से लेकर हार्ट अटैक का खतरा बना रहता है ऐसे में आप ड्राई फ्रूट्स से बने लड्डू का सेवन कर सकते हैं यह न सिर्फ स्वादिष्ट होता है बल्कि आपकी ओवर ऑल हेल्थ को फायदा पहुंचता है जो शरीर को ऊर्जा देने का काम करते हैं बीमारियों से लड़ने की शक्ति देते हैं। इन ड्राई फ्रूटस से लड्डू बना सकते हैं जिन्हें बनाने में हम आटे, चीनी और घी का बिल्कुल भी इस्तेमाल नहीं करेंगे। ये एक बहुत ही आसान विधि से झटपट बनकर तैयार हो जाएंगे। जो सर्दियों में शरीर को गरमाहट देने के साथ ही हमारी इम्यूनिटी बढ़ाने का भी काम करते है। क्योंकि इससे ठंड में होने वाली शुगर क्रेविंग दूर होगी। इसमें हेल्दी फैट्स होते हैं जो हार्ट हेल्थ के लिए फायदेमंद होते हैं।

सामग्री

मूंगफली - 45 ग्राम, गुड़ - 260 ग्राम, तिल-35 ग्राम, तरबूजे के बीज - 45 ग्राम, खसखस- 35 ग्राम, नारियल - 30 ग्राम, ग्रेट किया हुआ मखाना 20 ग्राम, बादाम -45 ग्राम, सौंठ - 1 छोटी चम्मच, सफ़ेद मिर्च - 1 छोटी चम्मच, दरदरी कुटी हुई, जायफल - 1 छोटी चम्मच, ग्रेट किया हुआ इलायची - 1 छोटी चम्मच, दरदरी कुटी हुई।

बनाने की विधि

पेन में आधा कप सफेद तिल डाल कर हल्का रंग बदलने तक मीडियम-हाई फ्लेम पर लगातार चलाते हुए भूनिए। भुन जाने पर इन्हें निकाल कर इसी पेन में द कप तरबूजे के बीज मीडियम फ्लेम पर लगातार चलाते हुए भूनिए। फूले-फूले दिखने लगे तो इन्हें भी तिल वाली प्लेट में ही निकाल लीजिए। इसी पेन में द कप खसखस को भी लगातार चलाते हुए हल्का सा रंग बदलने तक भून कर अलग प्लेट में निकाल लीजिए, फिर आधा कप ग्रेट किये कुए नारियल को धीमी फ्लेम पर लगातार चलाते हुए हल्का सा रंग बदलने तक भून लीजिए। भुन जाने पर इन्हें निकाल कर पेन में 1 कप मखाने धीमी फ्लेम पर लगातार चलाते हुए हल्का रंग बदलने तक भूनिए। कुरकुरे होने पर इन्हें निकाल कर, आधा कप बादाम को धीमी आंच पर लगातार चलाते हुए हल्का फूलने तक और खुशबू आने तक भूनिए। बादाम निकाल कर पेन में द कप भुनी छिली मूंगफली के दाने डाल कर 1 मिनट हल्का भूनकर निकाल लीजिए। ड्राई फ्रूट्स भुन कर तैयार हो जाएंगे, इन्हें ठंडा कीजिए।

आंवला कैंडी बच्चों से लेकर बड़ों तक के लिए है फायदेमंद

सर्दियों के मौसम की शुरुआत होते ही बाजार में काफी ज्यादा मात्रा में आंवला आने लगता है। आंवला में कई ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जिनके सेवन से शरीर की कई परेशानियां दूर होती हैं। आंवले के सेवन से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ जाती है। ऐसे में डॉक्टर भी इसके सेवन की सलाह बच्चे से लेकर बड़ों तक को देते हैं। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्वों की वजह से ही इसका उपयोग कई प्रकार की दवाई बनाने में होता है। लोग इसका सेवन दवाइयों के साथ साथ कई प्रकार से करते हैं। बहुत से लोग आंवले का आचार बना लेते हैं, तो कई लोग मुरब्बा। आंवला की कैंडी बनाना काफी आसान है। इसके सेवन से आपके शरीर को काफी फायदा मिलेगा।

सामान

आंवला- 500 ग्राम, चीनी-300 ग्राम, पानी- 1 कप, नमक- आधा छोटा चम्मच, काला नमक - 1 छोटा चम्मच, अजवाइन (सौंठ)- आधा छोटा चम्मच, हींग- 1 चुटकी, काली मिर्च- आधा छोटा चम्मच, नींबू का रस - 2 बड़े चम्मच, हल्दी - आधा छोटा चम्मच, चीनी का शक्कर सीरप।

विधि

आंवला कैंडी बनाने के लिए सबसे पहले आंवला को अच्छे से धोकर, बीज निकालकर काट लें। इसके बाद एक बर्तन में पानी उबालें और उसमें आंवला डाल दें। अब इसे 5-10 मिनट तक उबालें। फिर आंवला निकाल कर ठंडा कर लें। अब एक कढ़ाई में 1 कप पानी और चीनी डालकर उबालें। चीनी पूरी तरह से घुल जाए और चाशनी तैयार हो जाए, तब उसमें हींग, अजवाइन, काली मिर्च, हल्दी, और नमक डालें। इस चाशनी को 5-7 मिनट तक उबालें ताकि चाशनी गाढ़ी हो जाए। चाशनी का तापमान थोड़ा ठंडा हो जाए, तो उसमें नींबू का रस डालें। उबले हुए आंवले को चाशनी में डालकर अच्छे से मिला लें। 5-7 मिनट तक धीमी आंच पर पकने दें ताकि आंवला चाशनी को सोख सके और स्वाद भर जाए। अब आंवला कैंडी को निकालकर अच्छे से सूखने के लिए किसी प्लेट या ट्रे पर रख दें। इसे धूप में 1-2 दिन तक सूखने के लिए छोड़ दें। जब आंवला पूरी तरह से सूख जाए, तब आपकी खट्टी मीठी आंवला कैंडी तैयार है। इसे एयरटाइट कंटेनर में रख सकते हैं और बाद में सेवन कर सकते हैं।

हंसना मना है

लड़का-मैं आपकी बेटी से शादी करना चाहता हूं, लड़की का बाप- कितना कमा लेते हो। लड़का- 19000 हजार महीना। लड़की का बाप- 15000 मैं अपनी बेटी को पॉकेट मनी देता हूं। लड़का- वो मिलाके के ही बोल रहा हूं अंकल।

पति अपनी पत्नी से- मेरी शर्ट को उल्टी करके प्रेस करना। पत्नी- ठीक है, कुछ देर बाद, पति- मेरी शर्ट को प्रेस कर दिया क्या, पत्नी- नहीं अभी नहीं, पति- क्यों? पत्नी - अभी मुझे उल्टी ही नही आ रही, तो उल्टी करके कैसे प्रेस करूं। पति बेहोश।

पत्नी: हमेशा मेरा आधा माथा दुखता है, लगता है डॉक्टर को दिखाना पड़ेगा.. पति - अरे उसमें डॉक्टर को क्या बताना! वो तो जितना है उतना दुखेगा ही। बस तब से ही पति का पूरा बदन दु:ख रहा है।

फादर- अगर इस बार तुम इम्तिहान में फेल हुए तो मुझे पापा मत कहना। इम्तिहान के बाद, फादर-तुम्मारा रिजल्ट कैसा रहा? सन: दिमाग का दही मत कर बाबूलाल तु बाप कहलाने का हक खो चुका है।

कहानी - एक घमंडी हाथी और चींटी

एक बार की बात है। किसी जंगल में एक हाथी रहता था। उसे अपने शरीर और अपनी ताकत का बहुत घमंड था। उसे रास्ते में जो भी जानवर मिलता, वो उसे परेशान करता और डरा कर भगा देता। एक दिन वह कहीं जा रहा था। रास्ते में उसने एक पेड़ पर एक तोते को बैठा देखा और उससे अपने सामने झुकने के लिए बोला। तोते ने झुकने से मना कर दिया, तो गुस्से में आकर हाथी ने वो पेड़ ही उखाड़ दिया, जिस पर तोता बैठा था। तोता उड़ गया और हाथी उसे देख कर हंसने लगा। फिर एक दिन हाथी नदी के किनारे पानी पीने के लिए गया। वहीं पर चींटियों का छोटा-सा घर था। एक चींटी बड़ी मेहनत से अपने लिए खाना इकट्ठा कर रही थी। यह देख हाथी ने पूछा कि तुम क्या कर रही हो, तो चींटी ने कहा कि बरसात का मौसम आने से पहले अपने लिए भोजन जमा कर रहीं हूं, ताकि बारिश का मौसम बिना किसी परेशानी से निकल जाए। यह सुन कर हाथी के मन में शरारत सूझी और उसने अपनी सूंड़ में पानी भर कर चींटी के ऊपर डाल दिया। पानी से चींटी का भोजन खराब हो गया और वो पूरी भीग गई। यह देखकर चींटी को बहुत गुस्सा आया और उसने घमंडी हाथी को सबक सिखाने का सोचा। फिर एक दिन चींटी को मौका मिल ही गया कि वो हाथी को सबक सिखा सके। हाथी भोजन करके हरी घास पर सो रहा था। चींटी सोते हुए हाथी की सूंड़ में घुस गई और अंदर से उसे काटने लगी। जैसे ही चींटी ने हाथी को काटा, हाथी दर्द के मारे जोर-जोर से रोने लगा और मदद के लिए पुकारने लगा। चींटी ने हाथी के रोने की आवाज सुनी और सूंड़ से बाहर निकल आई। हाथी उसे देख कर डर गया और अपने किए की माफी मांगी। जब चींटी को महसूस हुआ कि हाथी को अपनी गलती का अहसास हो गया है, तो उसने हाथी को माफ कर दिया। हाथी अब बिलकुल बदल गया और उसने वादा किया कि अब वो किसी को नहीं सताएगा और दूसरों की मदद करेगा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

धन प्राप्ति सुगम होगी। पराक्रम बढ़ेगा। जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं। कामकाज में आशानुरूप स्थिति बनेगी। संतान के व्यवहार पर नजर रखें।

वृषभ

आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आपके व्यवहार एवं कार्यकुशलता से अधिकारी वर्ग से लाभ होगा। आपसी विचार-विमर्श लाभप्रद रहेगा। बुरी खबर मिल सकती है।

मिथुन

धनलाभ होगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। वाहन सुख मिलेगा। संपत्ति के लेन-देन में सावधानी बरतें। परिवार में सहयोग का वातावरण रहेगा। मेहनत का फल मिलेगा।

कर्क

पुराने मित्र-संबंधी मिलेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। कार्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा। विवादों से दूर रहना चाहिए। आर्थिक तंगी रहेगी।

सिंह

अप्रत्याशित लाभ होगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। जोखिम बिलकुल न लें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें।

कन्या

पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा। रुका पैसा मिलेगा। शत्रु आपकी छवि को धूमिल करने का प्रयास करेंगे। अत: सावधान रहें। फालतू खर्च होगा।

तुला

दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। पूंजी निवेश बढ़ेगा। साहित्यिक रुचि बढ़ेगी। आर्थिक योग शुभ हैं। यात्रा से व्यापारिक लाभ हो सकता है। रुका हुआ धन प्राप्त होगा।

वृश्चिक

नए अनुबंध होंगे। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। जल्दबाजी व भागदौड़ से काम करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाएँ। अच्छे मित्र से भेंट होगी।

धनु

कार्यसिद्धि होगी। आय-व्यय में संतुलन रहेगा। क्रोध पर संयम आवश्यक है। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। धर्म में रुचि बढ़ेगी।

मकर

संतान की ओर से अच्छे समाचार मिलेंगे। दूसरों के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करें। परिवार की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ

लाभ होगा। पिछले कार्यों को टालना चाहिए क्योंकि उसमें असफलता का योग है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मीन

प्रसन्नता रहेगी। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। संतान के रोजगार की समस्या का समाधान संभव है।

बॉलीवुड | मन की बात

बिग बास के अपने सफर को मैं कभी नहीं भूलूंगी : अदिति

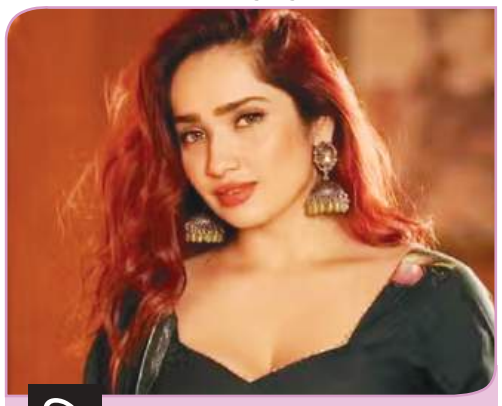

बिग बॉस 18 लगातार चर्चाओं में बना हुआ है। हाल में ही शो से अदिति मिस्त्री बाहर हो गई हैं। वह इस शो में शामिल होने वाली तीन वाइल्डकार्ड प्रतियोगियों में से एक थीं। अदिति सोशल मीडिया क्रिएटर हैं, जिनके शो में शामिल होने की काफी चर्चा हुई थी। हालांकि, उनका सफर शो में बहुत लंबा नहीं चल सका और वह बीते शक्रवार को शो से बाहर हो गईं। अब अदिति ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिस तरह से उनका सफर समाप्त हुआ वो पूरी तरह से निष्पक्ष नहीं था। अब अदिति मिस्त्री ने बिग बॉस 18 से बाहर होने को लेकर बात की है। उन्होंने बिग बॉस 18 के अपने इस सफर को कभी न भूल सकने वाला अनुभव करार दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि वो बिग बॉस के घर में अपना सर्वश्रेष्ठ देने में कामयाब रहीं और इस दौरान उन्होंने हर चुनौतियों का सामना किया। बता दें कि वह तीन वाइलकार्ड सदस्यों के साथ नॉमिनेटेड थीं, जिनमें यामिनी मल्होत्रा और एडिन रोज शामिल थीं। अदिति ने आगे कहा कि उन्हें नहीं लगता कि उनका निष्कासन पूरी तरह से उचित था। उन्होंने कहा कि वो चाहती थीं कि वो शो में कुछ और समय तक रह पातीं। वाइल्ड कार्ड के रूप में एंट्री करना और उनकी जैसी इमेज है उस हिसाब से उन्हें पता था कि शो में उनके लिए चीजें काफी मुश्किल होने वाली थीं। अदिति ने कहा, मुझे पता था कि हालात मेपरे खिलाफ थे, लेकिन मुझे इस बात पर गर्व है कि मैं कितनी दूर आ गई हूं। इस घर ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है, और जबकि मेरा यहां का समय समाप्त हो गया है, मैं ऐसी यादें लेकर जा रही हूं, जो हमेशा मेरे साथ रहेंगी।

अब 'जाट' बन बड़े पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार सनी

सनी देओल अपनी आने वाली फिल्म जाट के साथ एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। गणतंत्र दिवस 2025 पर रिलीज होने वाली यह फिल्म प्रशंसकों के बीच बड़ी चर्चा पैदा कर रही है। गदर 2 की बड़ी सफलता के बाद दर्शकों को सनी की इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। अभिनेता ने 19 अक्टूबर, 2024 को अपने जन्मदिन के खास अवसर पर इसकी रिलीज डेट की घोषणा की। साथ ही एक दिलचस्प पोस्टर साझा कर प्रशंसकों के उत्साह को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया। अब फिल्म के हाई ऑक्टेन एक्शन से भरपूर टीजर पर बड़ा अपडेट सामने आया है।

प्रत्याशा को बढ़ाते हुए, ताजा रिपोर्टों से पता चलता है कि जाट का टीजर जल्द आने वाला है। 1 मिनट, 28 सेकंड के टीजर को हाल ही में सेंसर बोर्ड द्वारा यू/ए सर्टिफिकेट मिला है। इसे 16 साल से अधिक के बच्चे देख सकते हैं। प्रमाणन मिलने के बाद ऐसा लगता है कि फिल्म के निर्माता जल्द ही टीजर को रिलीज

करेंगे।

फिल्म की रिलीज की तारीख नजदीक आने के साथ, दिसंबर में प्रचार प्रसार शुरू होने की उम्मीद है। जानकारी तो यह भी है कि फिल्म के टीजर को आगामी फिल्म के साथ भी जोड़ा जा सकता है, जिससे दर्शकों को एक झलक मिलेगी। सनी ने सबसे पहले अपने जन्मदिन पर जाट शीर्षक और अपने दमदार फर्स्ट लुक से पर्दा उठाया। आकर्षक पोस्टर में अभिनेता को खून से सना एक विशाल पंखा पकड़े हुए दिखाया गया।

फिल्म जाट में कई प्रभावशाली कलाकार हैं, जिनमें रणदीप हुडा, सैयामी खेर और रेजिना कैसेंड्रा शामिल हैं। मैत्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले नवीन यरनेनी, वाई रविशंकर और टीजी विश्व प्रसाद द्वारा निर्मित, यह फिल्म उच्च गुणवत्ता वाले प्रोडक्शन द्वारा समर्थित एक भव्य कहानी का वादा करती है। मास एक्शन एंटरटेनर विशेषज्ञ के रूप में प्रख्यात गोपीचंद मालिनेनी वर्तमान में अपने करियर की अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। सनी देओल के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह बॉर्डर 2 में भी नजर आने वाले हैं, जो युद्ध के बैकड्रॉप पर आधारित होगी।

विजय सेतुपति की महाराजा ने चीन में की धमाकेदार शुरुआत

विजय सेतुपति की एक्शन से भरपूर थ्रिलर फिल्म महाराजा ने चीन के बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की है। निर्देशक निथिलन स्वामीनाथन की इस तमिल सस्पेंस फिल्म ने पहले दिन 10 करोड़ रुपये (लगभग 11.8 लाख डॉलर) से अधिक की कमाई की। फिल्म के इस कलेक्शन में प्रीव्यू से होने वाली कमाई भी शामिल है। इस कलेक्शन के साथ यह कोरोना महामारी के बाद चीन में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली भारतीय फिल्मों में से एक बन गई है।

पहले दिन बटोर डाले 10 करोड़ करोड़ रुपये

महाराजा ने 29 नवंबर को चीन में अपनी शुरुआत की। शुरुआती स्क्रीनिंग्स से फिल्म ने पांच करोड़ 40 लाख रुपये (लगभग छह लाख 35 हजार डॉलर या 46 लाख युआन) की कमाई की। रिलीज से पहले इसने चार करोड़ 65 लाख रुपये की कमाई की थी। वहां के स्थानीय बॉक्स ऑफिस ट्रैकर ईएनटी ग्रुप के मुताबिक फिल्म को पहले दिन एक लाख लोगों ने देखा। वहीं, अब तक कुल दो लाख 20 हजार दर्शक इस फिल्म को देख चुके हैं। स्थानीय प्लेटफार्म्स पर मिले अच्छी रेटिंग्स से भी इस फिल्म को खूब फायदा पहुंचा है। फिल्म को ग्लैडिएटर 2 और स्थानीय ड्रॉमा फिल्म हर स्टोरी जैसी बड़ी रिलीज से मुकाबला करना पड़ रहा है, लेकिन अपनी दिलचस्प कहानी और बेहतरीन परफॉर्मेंस के कारण इस फिल्म ने वहां के लोगों के दिलों अपना स्थान बना लिया है। महाराजा को भारत में 14 जून को रिलीज किया गया था। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता रही थी। इसके बाद ओटीटी पर भी फिल्म को काफी ज्यादा सराहा गया था। अब चीन से हुई कमाई के साथ फिल्म ने कुल 116 करोड़ रुपये की वैश्विक कमाई कर ली है।

अजब-गजब | इस बिल्डिंग के अंदर से निकला 132 साल पुराना राज

ऐतिहासिक बिल्डिंग की दीवार में दफन मिली बोतल में बंद चिट्ठी

कई बार हमारे सामने ऐसी चीजें आ जाती हैं, जिनकी हमने कल्पना भी नहीं की होती है। आपने देखा होगा कई बार पुरानी जगहों पर खुदाई करते वक्त या किसी इमारत को तोड़ते वक्त ऐसी चीजें और राज सामने आते हैं, जो लोगों को हैरान कर देते हैं। ऐसा ही कुछ हाल ही में स्कॉटलैंड में देखने को मिला। यहां एक बहुत पुरानी इमारत की मरम्मत करते वक्त ऐसा राज सामने आया, जिसे देखकर वहां मौजूद इंजीनियर भी हैरान रह गए। जानते हैं वहां इजीनियरों को ऐसा कौन सा राज मिला।

दरअसल, स्कॉटलैंड के एक ऐतिहासिक लाइटहाउस में रेनोवेशन का काम चल रहा था। रेनोवेशन के दौरान वहां काम करने वाले इंजिनियरों को दीवार के अंदर दफन एक बोतल मिली। उस बोतल में एक चिट्ठी थी। इंजीनियरों ने बोतल में से उस चिट्ठी को निकाला तो उनके होश उड़ गए। दरआल, उस बोतल में बंद चिट्ठी में से 132 साल पुराना राज बाहर आया। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, इस बोतल की खोज 36 वर्षीय इंजीनियर रॉस रसेल ने की। रसेल ने बात करते हुए बताया कि वह इस चिट्ठी को देखने के बाद हैरान था। रसेल ने बताया कि वह और उसकी टीम किर्ककोलम में कॉर्सवॉल लाइटहाउस

के रेनोवेशन का काम कर रहे थे। उस दौरान उन्हें दीवार पर हथौड़ा मारते वक्त एक बोतल मिली। उस बोतल में एक चिट्ठी थी। जब चिट्ठी को बाहर निकालकर पढ़ा गया तो पता चला कि इस लाइट हाउस को 1817 में बनाया गया था।

इसके अलावा इस नोट पर ये बात लिखी कि लाइटहाउस में इस लालटेन को 1892 में जलाया गया था और इसे मई से सितंबर के महीनों के दौरान स्थापित किया गया था। इस काम को पूरा करने के बाद इंजीनियरों ने इस चिट्ठी को दीवार के अंदर बने एक खाली स्थान में डाल दिया जो अब तक दुनिया की नजरों से अनदेखी थी। मीडिया से बात करते हुए टीम ने कहा कि ये पत्र हम लोगों के लिए काफी ज्यादा चौंकाने वाला है, लेकिन जब हम लोगों ने इसे पढ़ा तो ऐसा बिल्कुल नहीं था बल्कि इस चिट्ठी में तो इस बात के बारे में बताया गया था कि इस लाइटहाउस को कैसे बनाया गया था और इसमें ये लाइट कैसे लगाई गई है। इस चिट्ठी को पाने वाले रसेल कहना है कि ये पूरी तरीके से संयोग है। दिलचस्प है कि एक सदी पुराना इतिहास इस तरीके से हम लोगों के सामने आ गया।

वसीयत में लिखी थी ऐसी शर्त कि श्मशान के बजाय थाने पहुंची अर्थी

बालाघाट। आमतौर पर जब अर्थी तैयार होती है, तो उसे सीधे श्मशान घाट ले जाया जाता है, लेकिन शव को घाट के बजाय पुलिस स्टेशन ले जाया गया। ऐसा पढ़ना या देखना अजीबोगरीब लगता है ना। दरअसल, ऐसा ही

एक मामला बालाघाट के कटंगी शहर में देखने को मिला। 82 साल की देवकन बाई बिसेन की मौत 28 नवंबर की रात में हुई, लेकिन अर्थी तैयार होकर श्मशान घाट के लिए निकलने ही वाली थी कि इतने में पुलिस आई और शव को कब्जे में ले लिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

82 साल की बुजुर्ग महिला देवकन के पास बालाघाट में एक मकान और सोनपुरी गांव में लगभग 18 एकड़ जमीन है। उन्होंने मरने से पहले एक वसीयत लिखवाई थी। इस वसीयत में लिखा था कि बुढ़ापे में जो उनका पालन पोषण करेगा, वहीं उनकी संपत्ति का हकदार होगा। ऐसे में उनकी बहन का बेटे ओपी ठाकुर के बेटे ने बालाघाट में देवकन बाई की देखभाल की। वहीं, देवकन तीन सालों से ओपी ठाकुर के पास रह रही थी। अब उनकी मौत 28 नवंबर की रात 10 बजे हुई। अब कहानी में एक ट्विस्ट तब आया जब देवकन बाई की मौत की खबर उनके देवर की बेटे सुभाष बिसेन को मिली। इसके बाद सुभाष बिसेन को अपनी बड़ी मां की हत्या की आशंका हुई। और उसने ई-एफआईआर दर्ज की। इसके बाद पुलिस अधिकारियों ने कार्रवाई शुरू की और आनन फानन में अर्थी को ही कब्जे में लिया। इस मामले की जानकारी देते हुए कटंगी थाना प्रभारी गहलोद सेमलिया ने बताया कि मृतक महिला के देवर के बेटे ने हत्या का संदेह जाहिर किया। ऐसे में शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। अब कार्रवाई की जा रही है।

विभाजनकारी नीति से माहौल खराब कर रही भाजपा : खरगे

» बीजेपी से कहा- कम से कम भागवत की बातों का सम्मान कर लो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है बीजेपी के टॉप लीडरशिप पर विभाजनकारी रणनीति अपनाकर देश का माहौल खराब कर रही है। खरगे ने देशभर में मस्जिदों में सर्वेक्षण कराने के प्रयासों का कड़ा विरोध किया। कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 का विरोध कर रहे हैं और इसका विरोध करना जारी रखेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने बीजेपी से संघ प्रमुख के 2022 के बयान का जिक्र कर बीजेपी से उसे मानने की बात कही।

खरगे ने आरएसएस प्रमुख का हवाला दिया जिन्होंने कहा था कि हमारा उद्देश्य राम मंदिर का निर्माण करना था और हमें हर मस्जिद के नीचे शिवालय नहीं ढूंढना चाहिए। उन्होंने पूजा स्थल अधिनियम 1991 का भी हवाला दिया, जिसे धार्मिक स्थलों की 1947 जैसी स्थिति बनाए रखने के लिए बनाया गया था। खरगे की टिप्पणी उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हिंसा के मद्देनजर आई है।

पीएम मोदी सिर्फ बातें करते हैं काम नहीं

खरगे ने कहा, पीएम नरेंद्र मोदी कहते हैं एक हैं तो सेफ हैं, लेकिन वे किसी को भी सेफ नहीं रहने दे रहे हैं। आप एकता की बात करते हैं, लेकिन आपके कार्य इसे धोखा देते हैं। आपके नेता मोहन भागवत ने कहा है कि अब जब राम मंदिर बन गया है, तो और अधिक पूजा स्थलों की तलाश करने की आवश्यकता नहीं है। यदि आप उनके शब्दों का सम्मान करते हैं, तो और कलह क्यों पैदा करते हैं? खरगे ने बीजेपी से पूछा कि क्या वह लाल किला, ताजमहल, कुतुब मीनार और चार मीनार जैसी संरचनाओं को भी ध्वस्त कर देगी, जो मुसलमानों की तरफ से बनवाई गई थीं।

लोगों के अधिकारों को कमजोर करने वालों के खिलाफ लड़ाई रहेगी जारी : प्रियंका

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने वायनाड के मनंतवाडी में एक सभा को संबोधित करते हुए भाजपा की केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने जनता से कहा कि आज लड़ाई उस ताकत के खिलाफ है जो लोगों के अधिकारों को कमजोर कर उन्हें कुछ कारोबारी मित्रों को सौंप रही है। उन्होंने कहा, आज हम अपने राष्ट्र की भावना के लिए, भारत की आत्मा के लिए लड़ रहे हैं। यह लड़ाई इस देश की शक्ति और संसाधनों पर उसके लोगों का अधिकार सुनिश्चित करने के लिए है।

प्रियंका ने 30 जुलाई को वायनाड में हुए भीषण भूस्खलन को याद किया। उन्होंने कहा कि जब भी कोई त्रासदी होती है, हम पूरे भारत में जाते हैं, लोगों से मिलते हैं। लेकिन, यहां आकर मैंने जो दर्द और पीड़ा देखी, वह शायद ही कभी देखी हो। प्रकृति का प्रकोप एक छोटे से क्षेत्र में केंद्रित हो गया था। क्षेत्र के सभी मकान बह गए, सभी परिवार विस्थापित हो गए, सभी आजीविकाएं खत्म हो गईं। लेकिन फिर भी इस तबाही के बीच, और इस दर्द व पीड़ा के बीच मैंने आप सभी की मानवता देखी।

आलू से लदे ट्रकों का मामला सुलझाएं : सोरेन

» बंगाल के मुख्यसचिव से झारखंड के सीएस ने की बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बंगाल की सीमा पर आलू से भरे वाहनों को रोकने और राज्य में आपूर्ति को प्रतिबंधित करने पर संज्ञान लिया। उन्होंने मुख्य सचिव अलका तिवारी को इस मामले को तत्काल प्रभाव से निपटाने का निर्देश दिया। दरअसल, बंगाल सरकार ने अपने राज्य में आलू के स्टॉक को बनाए रखने और कीमत को नियंत्रण में रखने के लिए गुरुवार को अंतरराज्यीय आपूर्ति पर प्रतिबंध लगा दिया। सीएम सोरेन के निर्देश पर मुख्य सचिव अलका तिवारी ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज पंत से फोन पर बात की। अलका तिवारी ने कहा, मनोज पंत ने आश्वासन दिया है कि आलू आपूर्ति के मुद्दे को सुलझाने के लिए जल्द ही एक समिति बनाई जाएगी।

एक अधिकारी ने बताया कि बंगाल की तरफ से आलू की आपूर्ति पर प्रतिबंध लगाने के बाद पिछले दो दिनों में झारखंड के खुदरा बाजार में आलू की कीमत 5 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ गई। बता दें कि झारखंड में 60 प्रतिशत आलू की आपूर्ति पश्चिम बंगाल से होता है। विभास कुमार डे कहा, डब्ल्यूबीपीपीटीए और पश्चिम बंगाल कोल्ड स्टोरेज एसोसिएशन की संयुक्त बैठक में फैसलालिया गया कि अगर प्रतिबंध नहीं हटाया गया तो सोमवार रात से कोल्ड स्टोरेज से आलू नहीं निकाला जाएगा। वहीं झारखंड भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से स्थिति से निपटने के लिए पश्चिम बंगाल सरकार से बात करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि राज्य के लोग आलू की बढ़ती कीमतों से परेशान हो रहे हैं।

बाल्यान को गैंगस्टर की शिकायत करना पड़ा भारी : केजरीवाल

» आप विधायक की गिरफ्तारी पर अमित शाह को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नरेश बाल्यान की गिरफ्तारी और पदयात्रा के दौरान खुद पर हुए हमले को लेकर जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि बाल्यान को धमकी मिल रही थी। बाल्यान ने पुलिस को कई पत्र लिखे थे। गैंगस्टर्स की गिरफ्तारी कब की जाएगी। बाल्यान खुद पीड़ित हैं। खुद पर हमले को लेकर उन्होंने कहा कि हमला गंभीर हो सकता था। केजरीवाल ने कहा, दिल्ली के गैंगस्टरों और गुंडों को गिरफ्तार करके दिखाइए।

महिलाओं के साथ दुष्कर्म करने वालों को गिरफ्तार करके दिखाइए। मुझ पर हमला कराकर और मेरे विधायक को गिरफ्तार करके

क्या दिल्ली के लोग सुरक्षित हो जायेंगे? आप विधायक को गिरफ्तार कर अमित शाह ने दो संदेश दिए। अगर कोई गैंगस्टर की शिकायत करता है तो उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा और गैंगस्टरों को भी संदेश दिया है कि शाह उनकी सुरक्षा करेंगे, उन्हें कुछ नहीं होने देंगे। गैंगस्टर की शिकायत करने वाले विधायक को ही दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया।

रूस में जमी लखनवी दास्तानगोई की धाक

» हिमांशु बाजपेयी ने सुनाई राजकपूर-शैलेंद्र की दोस्ती की दास्तां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के जाने-माने दास्तानगो हिमांशु बाजपेयी ने रुस की राजधानी मॉस्को में लखनवियत का परचम लहराया है। हिमांशु ने रुस में दो अति महत्वपूर्ण स्थानों पर दो प्रस्तुतियां दीं। हिमांशु ने 30 नवंबर को मॉस्को के भारतीय दूतावास में आयोजित एक प्रोग्राम में अभिनेता निर्देशक राजकपूर और फिल्म गीतकार शैलेंद्र की दोस्ती पर केंद्रित अपनी ताज़ा दास्तान की सबसे पहली प्रस्तुति दी। ये पहला मौक़ा था जब रुस में भारतीय दूतावास में दास्तानगोई की महफ़िल सजी थी। इसके बाद 1 दिसंबर को पेरेजेलकिना के विश्वविख्यात राइटर्स विलेज में भी इसी दास्तान की एक अन्य प्रस्तुति हुई।

इस राइटर्स विलेज का निर्माण मैक्सिम गोरकी एवं अन्य महान रूसी लेखकों की पहल

पर सोवियत संघ में हुआ था। दुनिया भर के लेखकों के लिए ये एक महान केंद्र है, दूर दूर से लेखक इसे देखने के लिए आते हैं। कार्यक्रम का आयोजन इंडियन एंबेसी के जवाहर लाल नेहरू सांस्कृतिक केंद्र, आईसीसीआर, एवं हिंदुस्तानी समाज मॉस्को के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के तौर पर रुस में भारत के डिप्टी चीफ ऑफ मिशन निखिलेश गिरी मौजूद रहे। इसके अलावा जवाहर लाल नेहरू सांस्कृतिक केंद्र की निदेशक मधुर कांकना राय, हिंदुस्तानी समाज रुस के अध्यक्ष कश्मीर सिंह, केंद्रीय साहित्य अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक, जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी के प्रोफ़ेसर एवं अनुवादक सोनू सैनी, लेखक इंद्रजीत सिंह एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मुंबई में हुए मुशायरे में शैलेंद्र व राजकपूर की मुलाकात पर चर्चा से आगे बढ़ा कारवां

दास्तान की शुरुआत आज़ादी के तुरंत बाद मुंबई में हुए मुशायरे में शैलेंद्र अपनी नज्म सुना रहे हैं- जलता है जलता है पंजाब हमारा प्यारा, राजकपूर को ये नज्म बहुत पसंद आती है और वो शैलेंद्र से अपनी अगली फ़िल्म के लिए गाना लिखने की गुज़ारिश करते हैं मगर शैलेंद्र बड़ी साफ़गोई से मना कर देते हैं कि वो पैसे के लिए नहीं लिखते हैं, मगर जब 1949 में पत्नी के गर्भवती होने पर शैलेंद्र को पैसे की सख्त ज़रूरत थी तो राजकपूर उन्हें 500 रुपये देकर उनकी मदद करते हैं तो शैलेंद्र राजकपूर के क़ायल हो जाते हैं और यहीं से उनकी दोस्ती की शुरुआत होती है। राजकपूर के कहने पर शैलेंद्र अपनी रेलवे की नौकरी छोड़ देते हैं और फ़िल्म इंडस्ट्री में फ़ुलटाइम गीतकार बन जाते हैं।

ऑस्ट्रेलिया पीएम एकादश पर भारी पड़ा भारत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» प्रधानमंत्री एकादश को छह विकेट से हराया
» हर्षित, शुभमन गिल यशस्वी और नीतीश रेड्डी चमके

कैनबेरा। एडिलेड टेस्ट से पहले भारतीय टीम ने प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ अभ्यास मैच खेला। पहले दिन का खेल बारिश से धुलने के कारण ओवर कराने का फैसला किया गया। मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। प्रधानमंत्री एकादश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 43.2 ओवर में 240 रन बनाए।

यह मुकाबला दूसरे दिन 46-46

जवाब में भारत ने 43वें ओवर की पांचवीं गेंद पर 241 रन बनाए और मैच अपने नाम कर लिया। अभ्यास मैच में भारत के लिए हर्षित राणा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए छह ओवर में 44 रन देकर चार विकेट झटके, जबकि आकाश दीप को दो विकेट मिले। वहीं शुभमन गिल ने 62 गेंदों में अर्धशतक जड़ा और रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटे लेकिन वह नाबाद रहे। इस मैच में यशस्वी जायसवाल ने 59 गेंदों में 45 रन बनाए। उन्होंने इस दौरान नौ चौके जड़े। हालांकि, वह अपना अर्धशतक नहीं पूरा कर सके। इसके अलावा केएल राहुल ने 27, रोहित शर्मा ने तीन, नीतीश कुमार रेड्डी ने 42, रवींद्र जडेजा ने 27, सरफराज खान ने एक रन बनाए। वहीं, वाशिंगटन सुंदर 42 और देवदत्त पडिक्कल चार रन बनाकर नाबाद रहे। इस मुकाबले में प्रधानमंत्री एकादश के लिए सलामी बल्लेबाज सैम कोंसटास ने शानदार बल्लेबाजी की और 97 गेंदों पर 14 चौकों और एक छक्के की मदद से 107 रन बनाए।

जय शाह ने संभाला आईसीसी अध्यक्ष का पदभार

नई दिल्ली। बीसीसीआई को पांच वर्षों तक सचिव के तौर पर सेवाएं देने वाले जय शाह अब आईसीसी के अध्यक्ष के तौर पर क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने के लिए काम करेंगे। रविवार को उन्होंने आईसीसी अध्यक्ष का पदभार संभाला। सबसे पहले शाह ने आईसीसी अध्यक्ष चुने जाने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा- आज आईसीसी अध्यक्ष के रूप में अपनी भूमिका शुरू करने पर मुझे बहुत गर्व है। क्रिकेट एक ऐसा खेल है जो दुनिया भर में लाखों लोगों को जोड़ता है, और यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी और अवसर का क्षण है। इसके अलावा उन्होंने सभी बोर्ड के सदस्यों का धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा- मैं सभी सदस्य बोर्डों को उनके भरोसे और समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। हम सब मिलकर क्रिकेट को अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रयास करेंगे, अगली पीढ़ी को प्रेरित करेंगे और हमारे महान खेल क्रिकेट के माध्यम से समुदायों को एकजुट करेंगे।

पुलिस ने कांग्रेस को संभल जाने से रोका

लखनऊ किले में तब्दील, पार्टी ऑफिस में जमाया कांग्रेसियों ने डेरा, अजय राय ने संभाला मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। संभल में हिंसा के बाद अब सियासी संग्राम जारी है। एक ओर विरोधी दल इस हिंसा के लिए योगी सरकार और बीजेपी को जिम्मेदार बता रहे हैं तो दूसरी ओर बीजेपी सपा नेताओं को जिम्मेदार बता रही है। इस हिंसा में मारे गए पांच लोगों के अलावा पीड़ितों के परिवार से मुलाकात करने के लिए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पूरी कोशिश कर रही है।

दोनों ही पार्टियों ने प्रतिनिधिमंडल बनाकर संभल जाने का ऐलान कर दिया था। लेकिन अब यूपी पुलिस ने दोनों ही पार्टियों के प्रतिनिधिमंडल को रोक दिया है। जिले में धारा 163 लागू कर दी गई है और किसी भी प्रकार का प्रदर्शन के अलावा धरना देने या जुटान पर रोक है। इसके लिए मुरादाबाद कमिश्नर से अनुमति मांगने के निर्देश दिए गए है,. इसके बाद भी दोनों ही पार्टियां वहां जाने के लिए आतुर नजर आ रही है।

प्रशासन ने दस दिसंबर तक संभल आने पर रोक लगा रखी है। बीते दिनों सपा के कई नेताओं ने वहां जाने के कोशिश की थी। सपा विधानमंडल दल के नेता और प्रदेश अध्यक्ष को वहां जाने से रोक दिया गया था। इकरा हसन सहित कुछ और सांसदों को भी वहां नहीं जाने दिया गया था।

फोटो: सुमित कुमार

सरकार के अत्याचार और अन्याय के खिलाफ बोलते रहेंगे : अजय राय

लखनऊ पुलिस के ओरे से नोटिस मिलने पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा, उन्होंने मुझे नोटिस जारी किया है और कहा है कि मेरे दौरे से अव्यवस्था फैलेगी। निश्चित रूप से हम भी अव्यवस्था नहीं बल्कि शांति चाहते हैं, पुलिस और सरकार ने वहां जो अत्याचार और अन्याय किया है, मैं चाहता हूं कि मेरे नेतृत्व को यह पता चले उन्होंने (पुलिस ने) मुझे नोटिस दिया है लेकिन मैं वहां शांतिपूर्वक जाऊंगा।

कांग्रेस पार्टी कार्यालय के गेट पर पुलिस की चौकसी

पुलिस ने कांग्रेस पार्टी कार्यालय के आसपास चौकसी बढ़ा दी है। नेताओं को रोकने के लिए पुलिस की तरफ से तैयारी कर ली गई है। आनेजाने वाले रास्तों पर बैरियर लगाए गए हैं। बिना जांच के किसी को भी निकलने नहीं दिया जा रहा है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को पुलिस ने दिया नोटिस

लखनऊ पुलिस ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को नोटिस जारी कर हिंसा प्रभावित संभल का दौरा न करने को कहा है। अजय राय को दिए गए नोटिस में उन्हें बताया गया है कि संभल जिले में शांति और सांप्रदायिक संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए वह जनहित में सहयोग करें और अपना प्रस्तावित कार्यक्रम स्थगित करें ताकि संभल जिले के जिला मजिस्ट्रेट द्वारा पारित धारा 163 बीएनएसएस के आदेश का उल्लंघन न हो।

पाप छिपाने की कोशिश कर रही बीजेपी : राम गोपाल

अजय राय को संभल दौरा स्थगित करने के लिए भेजे गए नोटिस पर समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने कहा, भाजपा किसी को भी संभल जाने नहीं देना चाहते हैं, जो लोग पाप करते हैं, वे हमेशा उसे छिपाने की कोशिश करते हैं।

कांग्रेस की दाल गलने वाली नहीं: ब्रजेश पाठक

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल के संभल दौरे पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा, उत्तर प्रदेश की जनता ने समाजवादी पार्टी, विपक्षी दलों को पूरी तरह से नकार दिया है,उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की दाल गलने वाली नहीं है, हम प्रदेश में कानून व्यवस्था को बनाए रखेंगे,किसी को भी कानून तोड़ने की इजाजत नहीं है।

बारात तैयार दुल्हे का इंतजार वाली बात हो गयी महाराष्ट्र में!

» 5 दिसम्बर को शपथ ग्रहण लेकिन सीएम का नाम कोई नहीं बता रहा

» एकनाथ शिंदे गांव से वापस मुंबई लौटे, कार्यकर्ताओं से मिले शिवसेना नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। यह कौन सी राजनीतिक स्थिति है जिसमें 230 विधायकों के बाद भी मुख्यमंत्री की शपथ नहीं हो पा रही है? वह कौन से कारण है कि नतीजे आने के दो हफ्तों के बाद भी भारत की आर्थिक राजधानी में कार्यवाहक मुख्यमंत्री काम कर रहा है।

दरअसल महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 20 नवंबर को मतदान संपन्न हुआ। नतीजे 23 नवंबर को सामने आए, जिसमें सत्ताधारी 'महायुति' को 230 से अधिक सीटों पर जीत मिली। लेकिन अभी तक प्रदेश में मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान नहीं हुआ है। हालांकि, शपथ ग्रहण समारोह की तारीख तय हो गई है। महाराष्ट्र में 5 दिसंबर को शपथ ग्रहण समारोह होगा।

शिंदे ने डाला था पैतृक गांव में डेरा

महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुंबई में प्रेस कांफ्रेंस की थी। जिसमें उन्होंने कहा था कि मुख्यमंत्री का पद पीएम मोदी तय करेंगे जिसे वह चाहे मुख्यमंत्री बना दे। उसके बाद वह गांव चले गये थे और उनकी पार्टी की तरफ से कोई बयान नहीं आया था। शिवसेना के विधायकों ने प्रस्ताव पारित कर उन्हें मुख्यमंत्री पद का दावेदार बताया था। पूरे चुनाव में भी शिवसेना की तरफ से उनके चेहरे को भावी मुख्यमंत्री चेहरे के तौर पर ही प्रोजेक्ट किया गया। एकनाथ शिंदे के गांव में डेरा डालने पर महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य एवं भारतीय जनता पार्टी के नेता प्रवीण दरेकर ने कहा था कि जब वह थक जाते हैं तो आराम करने गांव चले जाते हैं। लेकिन, अभी सभी लोग इसका राजनीतिक मुद्दा भी बना रहे हैं।

कॉमन मैन की तरह किया काम, लोग चाहते हैं कि मैं ही बनूं सीएम : शिंदे

एकनाथ शिंदे मुंबई लौट आए हैं। शिंदे को एक सवाल के जवाब में कहा कि मैं जनता का मुख्यमंत्री था। दरअसल, मैं कहता था कि मैं सिर्फ मुख्यमंत्री नहीं बल्कि आम आदमी हूं। एक आम आदमी के रूप में, मैंने लोगों की समस्याओं और दर्द को समझा और उन्हें दूर करने का प्रयास किया। चूंकि मैंने एक आम आदमी के तौर पर काम किया तो जाहिर तौर पर लोगों को लगता है कि मुझे मुख्यमंत्री बनना चाहिए। उन्होंने भाजपा नेतृत्व को यह भी याद दिलाया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव उनके नेतृत्व में सफलतापूर्वक लड़ा गया था।

हम सब साथ-साथ हैं

बीजेपी की ओर से लगातार यह बयान आ रहे हैं कि महायुति के सभी घटक दल साथ है और कहीं कोई बात नहीं है। लेकिन इस मुद्दे पर न तो एनसीपी और न ही शिवसेना की तरफ से कोई ताजा बयान आया है। भारतीय जनता पार्टी के नेता प्रवीण दरेकर ने कहा है कि तीनों पार्टियां भाजपा, शिवसेना और एनसीपी एक साथ मिलकर चलेंगी। अगर एक साथ नहीं चली तो लोगों को अच्छा संदेश नहीं जाएगा, यह कल्पना तीनों पार्टियों के नेताओं को है।'

आयुर्वेदिक चिकित्साधिकारियों ने की सीएम से नियुक्ति पत्र की मांग

» नियुक्ति के 11 महीने बाद भी दर-दर को भटकने को मजबूर अभ्यर्थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 15 आयुर्वेदिक चिकित्साधिकारियों ने परिणाम घोषित होने के 11 महीने बाद भी नियुक्ति पत्र प्राप्त ना होने की शिकायत मुख्यमंत्री से की है। अभ्यर्थियों ने जानकारी दी कि सभी प्रार्थियों का उप्र लोक सेवा आयोग के द्वारा आयोजित आयर्वेद चिकित्सा अधिकारी पद का परिणाम 19 दिसम्बर-2023, को घोषित कर दिया गया था। सभी को शासन ने दस्तावेज सत्यापन कराकर नियुक्ति के आदेश दिए पर अभ्यर्थियों को अभी तक कुछ नहीं मिला। अब वह तंगहाली में है।

आम आदमी पार्टी में शामिल हुए अवध ओझा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईएएस को कोचिंग देने वाले मोटिवेशनल स्पीकर और मशहूर टीचर अवध ओझा आज आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए, आम आदमी पार्टी संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल एवं दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के साथ वह आप मुख्यालय पहुंचे, जिसके बाद आज वो दिल्ली में आम आदमी पार्टी में शामिल हुए,यही नहीं वो दिल्ली में किसी सीट से चुनाव लड़ सकते हैं।

अवध ओझा यूपी को गोंडा शहर के रहने वाले हैं और अपनी पढ़ाने के खास तरीके को लेकर चर्चित रहते हैं, सोशल मीडिया पर भी उन्हें काफी पसंद किया जाता है,उन्हें सोशल मीडिया पर ओझा सर के नाम से जाना जाता है, आए दिन वो अपनी बातों और बयानों को लेकर सोशल मीडिया पर छाए रहते हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।